Subject :- Sociology Date :- 27/05/2020
Class :- D-I(H) & XI^th Paper :- 1st & Subsidiary
Topic :- समुदाय - समिति में तथा समुदाय - संस्था में अन्तर

By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher Marwari College, Darbhanga

Online Study Material No :- (90)

समुदाय (Community)

* इसके लिए निश्चित भू-भाग या क्षेत्र का होना आवश्यक है।
* इसका विकास स्वतः होता है।
* इसका कोई विशिष्ट उद्देश्य नही होता।
* व्यक्ति इसका अनिवार्यतः सदस्य होता है। किसी न किसी समुदाय में रहना उसके लिए आवश्यक है।
* एक बार में व्यक्ति एक ही समुदाय का सदस्य होता है।
* यह स्थायी होते हैं।
* यह सम्पूर्ण जीवन जीने का क्षेत्र है। इस दृष्टि से यह अपने आप में साध्य नही होकर साध्य है।
* इसमें सामान्य नियमों की अपनी एक व्यवस्था होती है।
* यह साधारणतः अपने आप में पूर्ण होता है।
* इसमें सदस्यों की संख्या काफी होती है।
* इसका कोई निश्चित ढाँचा नही होता।

समिति (Association)

* इसके लिए कोई निश्चित भू-भाग का होना आवश्यक नही है।
* इसका निर्माण विचार पूर्वक किया जाता है।
* यह जीवन के किसी विशिष्ट हित या उद्देश्य को लेकर बनायी जाती है।
* इसकी सदस्यता ऐच्छिक होती है।
* एक ही व्यक्ति एक समय में कई समितियों के सदस्य हो सकता है।
* यह सापेक्षतः अस्थायी होती है।
* यह साध्य नही होकर साधन है।
* इसका नियम सामान्य नही होकर विशिष्ट होते है।
* यह समुदाय का एक अंग है। इसका साधारणतः उपभाग नही होते।
* इसमें सदस्यों की संख्या समुदाय की तुलना में सामान्यतः कम होती है।
* इसका अपना एक निश्चित ढाँचा होता है।

Scanned with CamScanner

समुदाय (Community)

* इसके लिए निश्चित भू-भाग और सामुदायिक भावना का होना आवश्यक है।
* यह व्यक्तियों का एक समूह है।
* इससे सदस्यता का पता चलता है।
* इससे संगठन का पता चलता है।
* इसका कोई विशिष्ट उद्देश्य नही होकर सामान्य उद्देश्य होते हैं।
* यह साध्य है, साधन नही।
* यह मूर्त है।
* इसमें अनेक संस्थाएँ होती हैं।

संस्था (Institution)

* इसके लिए निश्चित भू-भाग और सामुदायिक भावना का होना आवश्यक नही है।
* यह व्यक्तियों का समूह नही होकर नियमों, विधि-विधानों और कार्यप्रणालियों की एक व्यवस्था है।
* इससे नियमों एवं कार्य-प्रणाली का पता चलता है।
* इससे संगठन का नही बल्कि कार्य-प्रणाली का पता चलता है।
* यह किसी विशिष्ट उद्देश्य या आवश्यकता की पूर्ति के लिए विकसित होती है।
* यह साधन है साध्य नही।
* यह अमूर्त है।
* यह स्वयं समुदाय नही होकर सामुदायिक जीवन का एक अंग है, आवश्यकता या उद्देश्य की पूर्ति का माध्यम है।

S.N. Choudhary
Marwari College
L.N.M.U

Scanned with CamScanner